बारह मासा

प्रस्तावना -१

बच्चों, क्या कभी आपने अपनी आस-पास के नजारों को बदलते हुए महसूस किया है?

धरती हर एक मौसम में सजती है... नई दिखती है. क्या इन चित्रों को देखकर आप पहचान पाएंगें कि यह कौनसा ऋतू है?

T-२

मान लो आप किसी व्यक्ति को बहुत दिनों बाद देखते हो तब उसमें जो परिवर्तन हुए हैं आप उसे तुरन्त भांप जाते हो , पर जिसे हम रोज़ देखते हों ऐसे व्यक्ति में आए परिवर्तन हमें जल्द पता नहीं चलते हैं.

ठीक उसी प्रकार हमारे आस-पास प्रकृति में हो रहे परिवर्तनों के बारे में हम सजग नहीं रहते हैं पर एक कवि मन उसे महसूस कर सकता है प्रस्तुत कविता भी इन्हीं बारीकियों को हमारे सामने रखती है. हर मास अर्थात हर महीने क्या बदलाव आता है इसका ब्यौरा इस कविता में बड़े ही सुंदर ढंग से बताया गया है

कविता का अर्थ-३

चैत लिए फूलों की अंजली

बिखराने को आता है।

लू के झोंको में पलभर

बैसाख तभी आ जाता।।

और जेठ दुपहर नभ तपकर

आंधी पानी लाता।

वर्षा के रिमझिम गीतों को

गा, आषाढ़ सुनाता।।

अर्थ- हमारे भारतीय महीनों की शुरुवात होती है चैत मतलब चैत्र मास से..... यह मास वसंत ऋतू का है. प्रकृति अनेक रंगों में सजती है, नए फूल खिलते हैं, वातावरण सुगंधित हो जाता है, मौसम ना ज्यादा गर्म है और न ज्यादा ठंडा चारों ओर प्रसन्नता है। नव निर्माण का यह मास सकारात्मकता को लाता है।

अब धीरे धीरे गर्मी बढने लगती है, गर्म हवाएं चलने लगती है। वातावरण में ऊष्मा भरने लगती है. इस प्रकार गरमी की आहट लेकर बैसाख मास आता है।

गर्मी की अत्याधिकता आंधी के आगमन का कारण बनती है, और जेठ का महिना इन्हीं बौछारों के कारण गर्मी से राहत दिलाता है।

फिर आता है आषाढ़ का महिना जो मानसून की बूंदें लाता है। इसी मास से वास्तव में बारिश शुरू हो जाती है। वातावरण धुल जाता है। मौसम के बदलाव के कारण हम सभी का मन भी झूमझूम कर गाने लगता है।

पेड़ों की डाली-डाली को

सावन झूम झुलाता।

नदियों औ' सागर में पानी

भरने भादों आता।।

लिए कांस के फूल गोद में

क्वार तभी मुसकाता।

ज्वार बाजरे की बालों से

कातिक खेत सजाता।।

अर्थ- आषाढ़ में आरम्भ हुई वर्षा सावन मास के आते आते प्रकृति में नया चैतन्य भर देती है। सावन में कभी धूप कभी बारिश का खेल चलता है, हम मानव ही नहीं पेड़-पौधे भी इस खेल का आनंद उठाते है, तथा झूम-झूम कर अपनी ख़ुशी जतातें हैं।

धुआँ- धार बारिश को लेकर भादों अर्थात भाद्रपद का महिना आता है, बारिश अपने पूरे जोरों पर होती है और नदियों तथा जलाशयों को भर देती है।

वर्षा से धूली प्रकृति क्वार के आते आते काँस के फूलों से अपना शृंगार करती है. किसानों की मेहनत का फल उसे मिलने वाला होता है, यह महिना खुशियों के अंदेशे से मुस्कुरा उठता है।

अब तक खेतों में मेहनत करने वाले किसान के खेत कार्तिक मास के आते ही ज्वार और बाजरे की फसल से लहलहा उठते हैं। कार्तिक मास में फ़सल पक जाती है तथा कटने के लिए तैयार हो जाती है।

अगहन गन्नों में रस भरता

धानों को लहराता।

पूस बरफ की चादर में

जग को लिपटाने आता।।

माघ देखकर सरसों फूलीं

फूला नहीं समाता।

फागुन आमों की बौरों से

बागों को महकाता।।

अर्थ - जिस प्रकार कार्तिक मास में ज्वार की फ़सल पकती है उसी प्रकार अगहन अर्थात मार्गशीर्ष के महीने में गन्ने की फ़सल तैयार हो जाती है और धान की फ़सल खेतों में लहलहाने

लगाती है। यह महीना सर्दियों की आहट देता है, धीरे धीरे वातावरण में ठण्ड बढने लगती है, मानो प्रकृति धुंध की चादर ओढ़ लेती है।

पूस अर्थात पौष अपने साथ रूह को कम्पाने वाली सर्दी लाता है, विविधता से सजी हुई विविध रंगों में रची हुई यह प्रकृति मानो बर्फ की चादर ओढ़ कर आराम करती है. ठंड के कारण सभी व्यवहार ठप्प हो जातें हैं, मानो पृथ्वी सो गई हो।

माघ प्रकृति को नींद से जगाने आता है. वह सरसों की ताज़गी लाता है. सरसों के पीले पीले फूल नए उमंग का प्रतिक होते है और अब प्रकृति इन्हीं फूलों का शृंगार करती है। वातावरण में सुखद ठण्ड का एहसास होता है।

आम बौराने की खुशबू से फागुन महकता है। पुन एक बार प्रकृति नव निर्माण के लिए अपने आप को तैयार करती है। वसंत ऋतू की आहट ले कर फागुन आता है।

इस प्रकार सृष्टि का चक्र अविरत चलता रहता है।

मूल्यांकन

१) बैसाख के महीने में क्या होता है ?

अ) ठंडी हवाएं चलती है

आ) सिर्फ धूल उडती है

इ) लू चलती है

ई) पानी बरसता है

२) नदियों और सागर को भरने कौन आता है?

अ) क्वार

आ) भादों

इ) अगहन

ई) पूस

३) माघ के मौसम में कौनसे फूल खिलते हैं?

अ) गेंदे के

आ) गुलाब के

इ) सरसों के

ई) काँस के

४) भारतीय परम्परा में पहला महिना कौनसा होता है?

अ) फागुन

आ) माघ

इ) अगहन

ई) चैत

उ) हर महीने की खासियत अपने शब्दों में लिखिए ।

ऊ) "आम का बौराना" इस उक्ति से आप रया समझते है?

ऋ) प्रकृति में आने वाले परिवर्तन का सबसे ज्यादा प्रभाव किस पर पड़ता है? अपना निरिक्षण लिखें।

ऌ) हर मास में आने वाले त्यौहरों की सूचि बनाइए तथा ऋतुओं के साथ इन त्यौहारों का संबंध ढूँढने की कोशिश करें।

परियोजना

हर एक ऋतू में बदलती दिनचर्या के बारे में लिखकर हमे भेंजे साथ में यह भी लिखें कि बदलती दिनचर्या का कारण क्या हो सकता है?

ऋतू के अनुसार होने वाले खेती के कामों की सूचि बनाइए।